International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

राजनीति में सोशल मीडिया : राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के विशेष संदर्भ में

प्रेम प्रताप सिंह

शोधार्थी, विवेकानंद ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर

शोध सार

आज समाज का ऐसा कोई क्षेत्र या पहलू नहीं है जो सोशल मीडिया से प्रभावित न हो। राजनीति में सोशल मीडिया के प्रभाव की बात करें तो सोशल मीडिया का उपयोग राजनीतिक प्रक्रियाओं और गतिविधियों में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के उपयोग को संदर्भित करता है। राजनीतिक प्रक्रियाओं और गतिविधियों में वे सभी गतिविधियां शामिल होती हैं जो किसी देश या क्षेत्र के शासन- सत्ता से संबंधित होती हैं। सूचना और संचार तकनीकी के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास ने दुनिया की तस्वीर ही बदल दी है। इंटरनेट और मोबाइल ने इसे और सशक्ता, प्रभावी और सामाजिक बना दिया है। मिट्टी के सांचों और भोजपत्र से शुरू हुई पत्रकारिता ने प्रिंट मीडिया, रेडियो, टीवी से लेकर आज न्यू मीडिया, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया तक का सफर तय कर दिया है। सोशल मीडिया आज इतना प्रभावी है कि, इसने समाज के हर पहलू को प्रभावित कर दिया है। समाज का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसमें सोशल मीडिया का प्रभाव न दिखता हो । राजस्थान जिसकी अपनी भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान है। सोशल मीडिया के दौर में भला यह राज्य भी कैसे इसके प्रभाव से अछूता रह सकता है। राजस्थान का अधिकतर क्षेत्र मैदानी और हिन्दी भाषी है। मीडिया को किसी भी लोकतांत्रिक समाज में चौथा स्तम्भ का दर्जा दिया गया है, जो कि समाज के हर पहलुओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा आगे रहा है। मीडिया के इसी महत्व को देखते हुए और वर्तमान में सोशल मीडिया के प्रभावी रूप को देखते हुए 'राजनीति और सोशल मीडिया : राजस्थामन विधानसभा चुनाव 2023 के विशेष संदर्भ में' अध्ययन के लिए और सोशल मीडिया के बहतर उपयोग को लेकर यह शोध किया गया। शोध अध्ययन में, राजनीति क्षेत्र में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका देखने को मिली है।

कुंजी शब्द: राजनीति, सोशल मीडिया, पत्रकारिता,विधानसभा चुनाव 2023

प्रस्तावना

यहां सर्वप्रथम मीडिया-सोशल और मीडिया को समझना जरूरी है। मीडिया से तात्पर्य संवाद व संचार के जन माध्यम से है और सोशल मीडिया जिसका सर्वाधिक आधुनिक व प्रचलित माध्यम बन गया है, जिसकी कमान किसी सम्पादक या संवाददाता के पास न होकर एक आम आदमी के हाथ में होती है। जिसके माध्यम से समाज का वह व्यक्ति जो इंटरनेट, मोबाइल और तकनीकी का प्रयोग करता हो वह अपनी बात को विश्व के किसी भी कोने पर अनगिनत लोगों तक पहुंचाने में सक्षम है। सोशल मीडिया जहां तेज गति से सूचनाओं का आदान प्रदान करने, मनोरंजन, अपनी कला को प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच बन गया है। वहीं यह रोजगार व आय के साधन जुटाने में भी सहायक सिद्ध हो रहा है। व्यक्ति इसके माध्यम से प्रसिद्ध होने के साथ ही आजीविका उपार्जन भी कर सकता है। सोशल मीडिया की वजह से समाज में राजनीतिक हलचलें भी बढ़ी हैं। हर कोई व्यक्ति अपनी बात को बहुत कम समय में समाज के अधिक से अधिक लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकता है। राजनीति के क्षेत्र में यदि सोशल मीडिया की बात करें तो एक-दूसरे की कमियों को उजागर कर उन्हें सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से प्रसारित किया जाता है। वहीं हर राजनीतिक व्यक्ति अपनी उपलब्धियों को सोशल मीडिया के अलग-अलग माध्यमों (फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और ट्विटर आदि) के द्वारा वीडियो बनाकर, स्टेट्स डालकर, ट्विट कर व न्यूज पोर्टल में खबरें प्रसारित कर लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

सोशल मीडिया का प्रयोग राजस्थान के विधान सभा चुनाव 2023 में खूब देखने को मिल रहा है, जहां बडे-बडे राजनेता अपने ट्विटर हैंडल से अपनी बात व विपक्ष की कमजोरियों को ट्विट कर लोगों तक पहुंचा रहे हैं, वहीं अपनी तथा अपनी पार्टी की छोटी –बड़ी उपलब्धियों का भी बढ़ा-चढ़ा कर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। शोध विषय पर किया गया अध्ययन को आगे विस्तार से बताया जाएगा।

शोध विषय का सामाजिक- विश्लेषणात्मक अध्यायन से पूर्व विषय क्षेत्र का अध्ययन जरूरी है। राजस्थान अपनी भौगोलिक संरचना, जलवायु नैसर्गिक, प्राकृतिक दृश्यों एवं बहुतायत संसाधनों के कारण देश में प्रमुखी स्थान रखता है। पिंक सिटी के नाम से विख्याकत राजस्थान की राजधानी जयपुर, राजनीति हलचलों से खूब सुर्खियों में रहती है। राजस्थायन का अपना पौराणिक- ऐतिहासिक व राजनीतिक महत्वा रहा है। वाल्मीकि ने राजस्थान प्रदेश को 'मरुकान्तार' कहा है। राजपूताना शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1800 ई. में जॉर्ज थॉमस ने किया था। विलियम फ्रेंकलिन ने 1805 में 'मिल्ट्री मेमोयर्स ऑफ मिस्टर जार्ज थॉमस' नामक पुस्तक प्रकाशित की, उसमें उन्होंकने कहा कि जार्ज थॉमस सम्भवतः पहला व्यक्ति था, जिसने राजपूताना शब्द का प्रयोग इस भू-भाग के लिए किया था। राजस्थान की जहां अपनी भौगोलिक - सांस्कृतिक पहचान है, वहीं इसका अपना राजनैतिक इतिहास भी रहा है। यहां के समाज को यहां की जीवनशैली, रिवाजों और परंपराओं से समझा जा सकता है।

प्राचीन समय में राजस्थान में आदिवासी कबीलों का शासन था। 2500 ई. पू. से पहले राजस्थान बसा हुआ था और उत्तरी राजस्थान में सिंधु घाटी सभ्यता की नींव रखी थी। भील और मीना जनजाति इस क्षेत्र में रहने के लिए सबसे पहले आए थे। संसार के प्राचीनतम साहित्य में अपना स्थान रखने वाले आर्यों के धर्मग्रंथ ऋग्वेद में मत्स्य जनपद का उल्लेख आया है, जो कि वर्तमान राजस्थान के स्थान पर अवस्थित था। महाभारत कथा में भी मत्स्य नरेश विराट का उल्लेख आता है, जहां पांडवों ने अज्ञातवास बिताया था। करीब 13 वी शताब्दी के पूर्व तक पूर्वी राजस्थान और हाड़ौती पर मीणा तथा दक्षिण राजस्थान पर भील राजाओं का शासन था उसके बाद मध्यकाल में राजपूत जाति के विभिन्न वंशों ने इन भागों का नामकरण अपने-अपने वंश, क्षेत्र की प्रमुख बोली अथवा स्थान के अनुरूप कर दिया। ये राज्य थे- चित्तौड़गढ़, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़, (जालोर) सिरोही, कोटा, बूंदी, जयपुर, अलवर, करौली, झालावाड़ , मेरवाड़ा और टोंक (मुस्लिम पिण्डारी) राजा महाराणा प्रताप और महाराणा सांगा, महाराजा सूरजमल, महाराजा जवाहर सिंह, वीर तेजाजी अपनी असाधारण राज्यभक्ति और शौर्य के लिए जाने जाते हैं।

राजस्थान भारत का एक महत्वपूर्ण प्रांत है। यह 15 मार्च 1949 को भारत का एक ऐसा प्रांत बना, जिसमें तत्कालीन राजपूताना की ताकतवर रियासतें विलीन हुई। राजस्थान के एकीकरण के समय राजस्थान में 19 रियासतें व तीन ठिकाने लावा नीमराणा व कुशलगढ़ थे इसमें से धौलपुर करौली यादव शासकों की व टोंक मुस्लिम रियासत थी। भरतपुर के जाट शासक ने भी अपनी रियासत के विलय राजस्थान में किया था। राजस्थान शब्द का अर्थ है: 'राजाओं का स्थान' राजाओं से रक्षित भूमि थी। इस कारण इसे राजस्थान कहा गया था। भारत के संवैधानिक-इतिहास में राजस्थान का निर्माण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। ब्रिटिश शासकों द्वारा भारत को आजाद करने की घोषणा करने के बाद जब सत्ता-हस्तांतरण की कार्यवाही शुरू की, तभी लग गया था कि आजाद भारत का राजस्थान प्रांत बनना तत्कालीन हिस्से का भारत में विलय एक दूभर कार्य साबित हो सकता है। आजादी की घोषणा के साथ ही देशी रियासतों के मुखियाओं में स्वतंत्र राज्य में भी अपनी सत्ता बरकरार रखने की होड़ सी मच गई थी, उस समय वर्तमान राजस्थान की भौगालिक स्थिति के नजरिए से देखें तो इस भूभाग में कुल बाईस देशी रियासतें थी। इनमें एक रियासत अजमेर-मेरवाड़ा प्रांत को छोड़ कर शेष देशी रियासतों पर देशी राजा महाराजाओं का ही राज था। अजमेर-मेरवाड़ा प्रांत पर ब्रिटिश शासकों का कब्जा था; इस कारण यह तो सीधे ही स्वतंत्र भारत में आ जाती, मगर शेष इक्कीस रियासतों का विलय होना यानि एकीकरण कर 'राजस्थान' नामक प्रांत बनाया जाना था। सत्ता की होड़ के चलते यह बड़ा ही दूभर लग रहा था, क्योंकि इन देशी रियासतों के शासक अपनी रियासतों के स्वतंत्र भारत में विलय को दूसरी प्राथमिकता के रूप में देख रहे थे। उनकी मांग थी कि वे सालों से खुद अपने राज्यों का शासन चलाते आ रहे हैं, उन्हें इसका दीर्घकालीन अनुभव है, इस कारण उनकी रियासत को 'स्वतंत्र राज्य' का दर्जा दे दिया जाए। करीब एक दशक की ऊहापोह के बीच 18 मार्च 1948 को शुरू हुई राजस्थान के एकीकरण की प्रक्रिया कुल सात चरणों में एक नवंबर 1956 को पूरी हुई। जिसमे राजस्थान में 26 जिले सम्मिलित थे इसमें भारत सरकार के तत्कालीन देशी रियासत और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल और उनके सचिव वी.पी. मेनन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। इनकी सूझबूझ से ही राजस्थान के वर्तमान स्वरुप का निर्माण हो सका।

स्वतंत्रता के बाद यदि राजस्थान की राजनीति की बात करें तो राजस्थान की राजनीति में मुख्य रूप से दो पार्टियों का वर्चस्व रहा है, भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस । राजस्थान में वर्तमान सरकार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की है और अशोक गहलोत मुख्यमंत्री हैं । बस अब इस विधानसभा चुनाव पर सभी की नजरें टिकी हैं कि राजस्थाजन का किला कौन फतेह करता है। राजस्थान की राजनीति में मुख्य रूप से देखा जाए तो राज्य के दो दिग्गजों क्रमशः भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भैरों सिंह शेखावत और मोहन लाल सुखाड़िया का वर्चस्व रहा है। शेखावत 2002 में भारत के उपराष्ट्रपति बने इसलिए उन्हें राजस्थान की राजनीति और भाजपा छोड़नी पड़ी। उन्होंने वसुंधरा राजे को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया। उन्होंने 2003 के चुनावों में भाजपा का नेतृत्व किया और पार्टी को जीत दिलाई। 2003 से 2008 तक वह राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं। 2008 में भाजपा के भीतर कलह से फिर भाजपा एक बार चुनाव हार गई और कुछ निर्दलीय विधायकों के समर्थन से अशोक गहलोत ने राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 2013 में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत बड़े अंतर से जीत हासिल की। 200 सीटों में से बीजेपी को 163 सीटें और कांग्रेस को सिर्फ 21 सीटें मिलीं। वसुंधरा राजे दूसरी बार मुख्यमंत्री बनीं, लेकिन 2018 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राज्य में फिर से भारी बहुमत हासिल किया और अशोक गहलोत तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस – भाजपा का चुनाव जीतने का यह सिलशिला कई वर्षों से चलता आ रहा है।

अब यदि बात वर्तमान विधानसभा चुनाव 2023 की करें तो इस बार भी चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर का माहौल देखने को मिल रहा है। यहां पर ध्यान देने वाली बात यह है कि आज की तिथि में या कहें वर्तमान में सोशल मीडिया का समय है, आज सोशल मीडिया ने समाज के हर पहलू को प्रभावित किया है तो चुनाव भी इससे अछूता नहीं रहेगा। खासकर सोशल मीडिया की बात करें तो चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के प्रचार-दुष्प्रचार में सोशल मीडिया की भूमिका मुख्यरत: देखी जा रही है। सभी पार्टियों ने या उनके प्रत्याशियों ने व अन्य सभी निर्दलीय प्रत्याशियों ने सोशल मीडिया पर अपने अकाउंट बनाकर प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया है।

शोध का उद्देश्य

इस सामाजिक - राजनीतिक एवं संचार शोध के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- राजनीति और सोशल मीडिया के संबंधों का आंकलन करना।
- राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में सोशल मीडिया की भूमिका।
- राजनीतिक पहलुओं को उजागर करने में सोशल मीडिया की भूमिका।

- सोशल मीडिया के सभी साधनों में अत्यधिक प्रभावी साधन का पता लगाना।

साहित्य समीक्षा

राजनीति और सोशल मीडिया के अंतर्गत राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर शोध हेतु विषय से सम्बन्धित सामग्री का अध्ययन किया गया। विषय से सम्बन्धित लेख, आलेख के अलावा शोध पत्रों के साथ-साथ सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम जैसे- फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर के ब्लॉग, पोस्ट, रील्स व पेजों का अध्ययन किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया किस रूप में राजनीति पर प्रभावी है, और किसी भी चुनाव में या चुनाव से पूर्व कोई भी पार्टी या प्रत्याशी किस तरह अपनी बात को या किसी के विरोध में सामग्री तैयार करके सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों के द्वारा समाज में प्रसारित कर रहे हैं।

'राजस्थान बीजेपी की सोशल मीडिया टीम की क्या है तैयारी? ... ABP News https://www.abplive.com › *rajasthan* 21 Aug 2023 — *Rajasthan* Election *2023*: *राजस्थान* में इस बार बीजेपी *सोशल मीडिया* की टीम बहुत अलग है. इसपर संगठन महामंत्री बीएल संतोष'

इसी तरह कई सोशल प्लेट फार्म पर अलग अलग राजनीति पार्टियों की चुनावी रणनीति व तैयारियों को लेकर कार्यक्रम प्रसारित किए गए, जो काफी लोगों द्वारा देखे गए, और काफी लाइक भी इने मिले।

शोध प्राविधि

शोधार्थी ने 'राजनीति में सोशल मीडिया : राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के विशेष संदर्भ में' विषय पर अध्ययन के लिए सामाजिक अनुसंधान और संचार शोध प्राविधि का प्रयोग किया गया। सोशल मीडिया के फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हटसएप आदि साधनों पर राजनीति और राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 से जुडे साहित्य,सामग्री के अध्ययन के साथ-साथ द्वितीय स्रोतों से प्राप्त तथ्यों का अवलोकन व अध्ययन किया गया। विभिन्न राजनीति पार्टियों के फेसबुक पेज, यूट्यूब चैनल, ट्विटर हैण्डल, वह्टएप समुहों, पोर्टलों का अध्ययन किया गया। मौजूद समयानुसार टेलीफोनिक इंटरव्यू किए गए। शोधार्थी ने इस शोध के लिए सोशल मीडिया पर राजस्थान विधानसभा चूनाव 2023 से जुड़े विभिन्न आलेखों, पुस्तकों, इंटरनेट पर पत्र-पत्रिकाओं के लिंक माध्यमों, समाचार चैनलों की वेबसाइट और सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइट्स पर मौजूद संबंधित सामग्रियों को यथासंभव पढ़ने की कोशिश की। शोधार्थी ने ऑनलाइन माध्यम और शोध के परम्परागत तरीकों का इस्तेमाल करते हुए शोध के उद्देश्यों को सार्थकता प्रदान की है। शोधार्थी ने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया है कि साहित्य समीक्षा में शोध से संबंधित विषयों की यथासंभव और यथोचित जानकारी सामने आ सके और शोध के उद्देश्य पूरे हो सके।

अध्ययन का विश्लेषण

पहले चुनाव के नतीजों का अनुमान लगाने का एकमात्र तरीका सर्वेक्षण थे, लेकिन ये बहुत अधिक विवादास्पद साबित हुए। आज, तकनीकी उपकरण न केवल हमें परिणामों का पूर्वानुमान लगाने की अनुमति देते हैं, बल्कि वे ऐसा पारदर्शी तरीके से और लोगों की पोस्ट के माध्यम से प्राप्त वास्तविक डेटा के साथ भी करते हैं। दूसरी ओर, हमने उन तत्वों की भी पहचान की है जो बातचीत में "शोर" जोड़ते हैं, प्रसिद्ध "बॉट्स" और उस जैसी अन्य रणनीतियां। दूसरे शब्दों में, सोशल मीडिया में चुनावी प्रक्रिया में योगदान देने वाले और उसे धुंधला करने वाले दोनों उपकरण पहचाने गए हैं और उम्मीदवारों के उपयोग के लिए तैयार हैं। इसलिए, सोशल मीडिया न केवल मतदान के नतीजे की भविष्यवाणी करने के लिए उपकरण हैं, बल्कि जीत में योगदान देने के लिए राजनीतिक उपकरण भी हैं: 2008 के अमेरिकी चुनावों में, उम्मीदवारों द्वारा अपने अभियानों के लिए वित्तपोषण प्राप्त करने के लिए फेसबुक, माइस्पेस, यूट्यूब और ट्विटर जैसे नेटवर्क का उपयोग किया गया था।

चुनाव में सोशल मीडिया की भूमिका पर 2008 में कुछ अंतराष्ट्रीय विश्लेषकों ने कुछ भविष्यवाणियां कीं थी:

1. भविष्य की राजनीतिक प्रभावशीलता सोशल मीडिया पर आधारित होगी क्योंकि यहीं पर "ट्रस्ट फिल्टर" काम करते हैं।
2. माना जाता है कि अब चुनावी बातचीत के लिए माहौल नेटवर्क नहीं, बल्कि अभियान तय करते हैं।
3. फेसबुक टिप्पणियां उम्मीदवारों और नागरिकों के बीच और सबसे ऊपर, केवल नागरिकों के बीच बहस की सेटिंग होंगी।
4. नेटवर्क मतदाताओं के लिए अपने दृष्टिकोण देने और अपने वोट पर विचार-विमर्श करने के लिए आभासी अवसर पैदा करेंगे।
5. सामाजिक नेटवर्क की टिप्पणियों को समाचार द्वारा कवर और उपयोग किया जाएगा।
6. सीधे तौर पर मनाने के लिए नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाएगा।
7. नेटवर्क राजनीतिक कार्रवाई और मतदाताओं के विश्वास के लिए नागरिक शिक्षा को बढ़ाएंगे।
8. सूचना विविधता के प्रसार और सोशल मीडिया के माध्यम से इसके प्रदर्शन में सुधार किया जाएगा।
9. मोबाइल संचार के माध्यम से जुड़ाव बढ़ाने के नए अवसर पैदा होंगे।

चुनाव में सोशल मीडिया की भूमिका पर 2008 में कुछ अंतराष्ट्रीय विश्लेषकों द्वारा की गई उपरोक्त भविष्यवाणियाँ राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में स्पष्ट रूप से दिखाई दीं। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में प्रत्येक राजनीति पार्टी व हर प्रत्याशी ने सोशल मीडिया के भिन्न भिन्न साधनों का भरपूर प्रयोग किया। यह चुनाव प्रचार-प्रसार के सशक्त एवं सरल व शुलभ साधन साबित हुए।

विभिन्न सोशल मीडिया व डिजिटल मीडिया में राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 से संबंधित कुछ खबरें व पोस्ट

Social Media पर Viral हो रहा Rajendra Gudha का ये भाषण ! CM ... https://www.youtube.com › *watch*	*Rajasthan Election 2023*: *Social Media* पर Viral हो रहा Rajendra Gudha का ये भाषण ! CM Ashok Gehlot· Comments24.
सोशल मीडिया पर ताकत दिखा रहे राजनीतिक दल, बढ़ा चुनावी प्रचार ... ETV Bharat https://www.etvbharat.com › *jaipur*	30 Oct 2023 — Campaign on *Social Media*, *राजस्थान* विधानसभा *चुनाव* में महज कुछ ही दिन बाकी हैं. ऐसे में विभिन्न राजनीतिक दल *सोशल मीडिया* को ...
Rajasthan Election 2023: बीजेपी के मंथन में सोशल मीडिया के ... ABP News https://www.abplive.com › *rajasthan*	23 Aug 2023 — *Rajasthan* Election *2023*: *राजस्थान* में विधान सभा *चुनाव* से पहले बीजेपी का *सोशल मीडिया* और मीडिया का कैसे बेहतर यूज करें, ...
Rajasthan Chunav 2023: सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को 5 लाख ... Navbharat Times https://navbharattimes.indiatimes.com › ...	4 Jul 2023 — *Rajasthan* News: अगर आप *सोशल मीडिया* पर एक्टिव हैं तो ये खबर आपके लिए है। *राजस्थान* सरकार आपको 5 लाख तक कमाने का ...
Rajasthan Election 2023: सोशल मीडिया पर पॉवरफुल नेताजी! चुनाव ... Zee News https://zeenews.india.com › *politics*	24 Oct 2023 — *सोशल मीडिया* के बाद अब *चुनाव* प्रचार का ट्रेंड भी बदल गया है. वोटो की मजबूती के लिए नेताओं ने *सोशल मीडिया* की ताकत भी समझ ...
भाजपा ने बनाई सोशल मीडिया की रणनीति, इनफ्लुएंसर व ब्लॉगर्स ... ETV Bharat https://www.etvbharat.com › *jaipur*	5 Jun 2023 — *राजस्थान* में होने वाले चुनावों को लेकर बीजेपी ने *सोशल मीडिया* के लिए रणनीति तैयार कर ली है. बीजेपी मोदी सरकार की उपलब्धियों को ...
Rajasthan Election 2023: धरातल पर थमा प्रचार, सोशल मीडिया ... Sach Bedhadak https://www.sachbedhadak.com › *ra...*	24 Nov 2023 — 23 नवंबर को *राजस्थान* में भले ही प्रचार थम गया हो, लेकिन *सोशल मीडिया* पर नेता अपनी-अपनी पार्टियों को वोट देने की अपील ...
Rajasthan:सोशल मीडिया से चुनावी जंग लड़ेगी Bjp, प्रदेशाध्यक्ष ... Amar Ujala https://www.amarujala.com › bjp-wi...	13 Apr 2023 — *राजस्थान* में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा *चुनाव* और 2024 के लोकसभ ...
Rajasthan Election 2023: सोशल मीडिया पर वायरल हुई BJP की ... Moneycontrol Hindi https://hindi.moneycontrol.com › *ra...*	21 Sept 2023 — इस कथित लिस्ट में हिंडोली-नैनवा विधानसभा सीट पर पूर्व विधायक और कृषि मंत्री प्रभुलाल ... Related searches
राजस्थान **समाचार** Rajasthan Election 2023: सोशल मीडिया पर वायरल हुई BJP की ... Moneycontrol Hindi https://hindi.moneycontrol.com › *ra...*	21 Sept 2023 — इस कथित लिस्ट में हिंडोली-नैनवा विधानसभा सीट पर पूर्व विधायक और कृषि मंत्री प्रभुलाल ...

राजस्थान चुनाव: सोशल मीडिया पर चुनावी कैम्पेन, कैडर बनाम पैडर ... Zee News https://zeenews.india.com › jaipur	23 Aug 2023 — *राजस्थान* में इस साल होने वाले विधानसभा चु*नाव* में *सोशल मीडिया* की भी खासी भू*मिका* रहने वाली है. कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टियों ...
राजस्थान में Vasundhara Raje के सोशल मीडिया पर नई तस्वीर से ... YouTube · News Nation *38.1T+ views · 1 month ago*	**Rajasthan** Elections **2023**: **राजस्थान** में Vasundhara Raje के **सोशल मीडिया** पर नई तस्वीर से मची हलचल। News · Comments9.
Rajasthan Chunav 2023 : मंत्री जाहिदा खान के बेटे का वीडियो ... Navbharat Times https://navbharattimes.indiatimes.com › ...	8 days ago — यह घटना *राजस्थान* के भरतपुर में हुई। साजिद खान का मतदान केंद्र पर पुलिस कर्मियों के साथ तीखा विवाद हुआ।
चुनावों में कैसे अहम होती है सोशल मीडिया की भूमिका? - Aaj Tak आज तक https://www.aajtak.in › india › video	देखें. ALL the political parties have started their preparation for 2024 Lok Sabha elections. But have you wondered how **social media** plays an ... Aaj Tak · aajtak.in · 12 Mar 2023
राजस्थान चुनाव में कई दिग्गजों की किस्मत का होगा फैसला - YouTube YouTube · NDTV India 5.9T+ views · 2 weeks ago	**राजस्थान** की 200 में से 199 विधानसभा सीटों (**Rajasthan** assembly elections **2023**) के लिए मतदान जारी है. वोटिंग शाम 6 बजे तक होगी.

इंटरनेट और मोबाइल के बढ़ते उपयोग के साथ, सोशल मीडिया रणनीति राजनीतिक अभियान का एक अनिवार्य हिस्सा बन गई है, जिसका उपयोग आज अधिकांश राजनेता संभावित मतदाताओं को राजनीतिक अभियान के हिस्से के रूप में शामिल करने के लिए व्यापक रूप से करते हैं। सोशल नेटवर्क इस दुनिया में हर किसी के लिए निःशुल्क विस्तार का एक बेहतरीन मंच है। सोशल मीडिया पर 30 से 60 सेकंड की पोस्ट द्वारा; राजनेता हजारों नागरिकों तक निःशुल्क पहुंच सकते हैं। उपरोक्त समाचार चैनलों, न्यूज पोर्टलों, फेसबुक पेज व ट्विटर के लिंक पर अपलोड सामग्री के अध्ययन से ज्ञात होता है कि, राजस्थान की जनता को जागरूक करने, चुनाव सम्बन्धी सूचना प्रदान करने, प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार से लेकर राजनीतिक पार्टियों के घोषणापत्रों की जानकारी आजजन तक पहुंचाने में सोशल मीडिया ने काफी भूमिका निभाई है।

निष्कर्ष

राजनीति में सोशल मीडिया : राजस्थान विधानसभा चूनाव 2023 के विशेष संदर्भ में विषय पर सामाजिक- संचार शोध अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ है कि राजस्थान के विधानसभा चुनाव 2023 में सोशल मीडिया की भूमिका रही है। द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से मिले तथ्यों के आधार पर ज्ञात हुआ कि चुनाव से पूर्व चुनावी माहोल बनाने में और चुनाव के दौरान पार्टियों व प्रत्याशियों के प्रचार- प्रसार में, कहीं कहीं पर एक दूसरे के दुष्प्रचार में भी सोशल मीडिया की भूमिका रही है। ज्यादातर पार्टी के दिग्गज नेताओं ने अपनी बात को जनता तक पहुंचाने के लिए ट्यूटर का प्रयोग किया, न्यूज पोर्टल व न्यूज चैनलों के यूट्यूब पर प्रसारित समाचारों ने भी चुनाव प्रचार व नेताओं की बात को जनमानस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संदर्भ सूची

1. *"Census 2011 (Final Data) – Demographic details, Literate Population (Total, Rural & Urban)" (PDF). planningcommission.gov.in. Planning Commission, Government of India. मूल से 27 January 2018 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 3 October 2018.*
2. गोपीनाथ शर्मा / 'Social Life in Medivial Rajasthan' / पृष्ठ ३
3. *Jat, Madan; Jat (2018). Madan. Jat.*
4. *Kohli, Anju; Shah, Farida; Chowdhary, A. P. (1997). Sustainable Development in Tribal and Backward Areas (अंग्रेज़ी में). Indus Publishing. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 978-81-7387-072-9.*

5. "MOSPI Net State Domestic Product, Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India". अभिगमन तिथि 7 April 2020.
6. PTI (1 September 2019). "Kalraj Mishra is new governor of Rajasthan, Arif Mohd Khan gets Kerala | India News - Times of India". The Times of India (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 1 September 2019.
7. "Rajasthan Profile" (PDF). Census of India. मूल से 16 September 2016 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 21 July 2016.
8. "Report of the Commissioner for linguistic minorities: 52nd report (July 2014 to June 2015)" (PDF). Commissioner for Linguistic Minorities, Ministry of Minority Affairs, Government of India. पपृ॰ 34–35. मूल (PDF) से 28 दिसंबर 2017 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 16 फ़रवरी 2016.
9. "Sub-national HDI – Area Database – Global Data Lab". hdi.globaldatalab.org (अंग्रेज़ी में). मूल से 23 September 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 September 2018.
10. सक्सेना, हरमोहन (2014). राजस्थान अध्ययन. जयपुर: राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल जयपुर. पृ॰ 3.
11. शर्मा, गोपीनाथ (1971). राजस्थान का इतिहास. आगरा: शिवलाल अग्रवाल एंड कम्पनी. पृ॰ 7.
12. http://hindi.mapsofindia.com/rajasthan/jaipur/places-of-interest/ Archived 2016-09-19 at the वेबैक मशीन जयपुर के दर्शनीय स्थल